आकाशवाणी में प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव्स के चयन हेतु दिशानिर्देश

3425. मौलाना अबेदुल्ला खान आज़मी : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी में ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव्स को प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव्स के लिए संभरक संवर्ग के रूप मे माना जाता है ;

(ख) क्या यह सच है कि ट्रान्समीशन एक्जीक्यूटिव्स के चयन हेतु उर्दू का ज्ञान होना आवश्यक नहीं माना जाता है ;

(ग) क्या यह सच है कि उर्दू प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव्स की सीधी भर्ती बन्द कर दी गई है और ऐसे ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव्स को उर्दू प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव्स के रूप में प्रोन्नत किया जा रहा है, जिन्हें उर्दू का ज्ञान नहीं है ;

(घ) क्या इसका असर उर्दू कार्यक्रमों पर नज़र आने लगा है ; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए क्या-क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) जी हां।

(ख) उर्दू भाषा हेतु नियत ट्रांसमिशन कार्यपालकों के पदों पर भर्ती के लिए उर्दू की जानकारी एक अनिवार्य अपेक्षा है।

(ग) ट्रांसमिशन कार्यापालकों के ग्रेड में गतिरोध को दूर करने के उद्देश्यार्थ नियमित पदोन्नति के लम्बित रहते सीधी भर्ती हेतु नियत रिक्तियों को तदर्थ पदोन्नति के माध्यम से भरने के लिए 1993–94 में एक सकृत व्यवस्था की गई थी। ट्रांसमिशन कार्यपालक के ग्रेड से कार्यक्रम कार्यपालक के पद में पदोन्नति पात्र अभ्यर्थियों में से चयन पर आधारित है। तथापि उर्दू भाषा हेतु कार्यक्रम कार्यपालकों के पदों पर भर्ती, उर्दू भाषा में प्रवीण अधिकारियों में से की जाती है।

(घ) से (ङ) प्रश्न नहीं उठता।

आकाशवाणी में कार्यक्रम कार्यकारी अधिकारियों के लिए उर्दू की पृष्ठभूमि

3426. मौलाना अबेदुल्ला खान आज़मी : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि : (क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी में उर्दू कार्यक्रमों के बहुत से कार्यक्रम प्रभारी अधिकारियों की पृष्ठभूमि उर्दू भाषा की नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और ऐसे कार्यक्रमों के नाम क्या हैं ; और

(ग) सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य-मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) जी, नहीं। आकाशवाणी की उर्दू कार्यक्रम सेवा में ऐसे कार्यक्रम अधिकारियों को नियुक्त किया जाता है, जिनके पास इस भाषा की अच्छी जानकारी एवं पृष्ठभूमि होती है। आकाशवाणी द्वारा अपनी कार्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये समय-समय पर उर्दू की अच्छी पृष्ठभूमि वाले नैमेत्तिक कलाकारों का भी नियुक्त किया जाता है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

देश में आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क

3427. श्री अनन्तराम देवशंकर दवे : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में आकाशवाणी

और दूरदर्शन नेटवर्क के विस्तार के लिए एक विस्तृत योजना लागू करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि निर्धारित की गई है ;

(ग) उक्त योजना पर कितनी धनराशि व्यय किये जाने का विचार है ;

(घ) क्या उक्त योजना के अन्तर्गत गुजरात के लिए कोई विशिष्ट योजनाएं बनाई गई हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) से (ग) आठवीं योजना अवधि के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन नेट वर्कों के विस्तार सहित कार्यकलापों के लिये क्रमशः 1134.95 करोड़ तथा 2300 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए क्रमशः 135 करोड़ तथा 313.78 करोड़ रुपये का परिव्यय प्रस्तावित है, बशर्ते कि अपेक्षित आधारभूत ढांचा और सुविधा उपलब्ध हों ।

(घ) और (ङ) विवरण में दिए अनुसार ।

विवरण

आकाशवाणी

क्र० सं०	स्थान		स्कीम
1	2		3
1.	अहमदाबाद	2×5	कि० वा० एफ० एम० ट्रां० (वी० बी० एस०) सहित 1 कि० वा० मी० वे० ट्रां० का प्रतिस्थापन
2.	बड़ोदरा	2×3	कि० वा० एफ० एम० ट्रां० का स्थापना । (पृथक चैनल)
3.	जूनागढ़	2×3	कि० वा० एफ० एम० ट्रां० और स्टाफ क्वार्टरों सहित रिले केन्द्रों की स्थापना ।
4.	हिम्मतनगर	1	कि० वा० मी० वे० ट्रां० बहु-उद्देश्यीय स्टूडियो और स्टाफ क्वाटरों सहित स्थानीय रेडियो केन्द्र ।
	दूरदर्शन :		
1.	भुज		उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (डी०डी० 1) और 300 मी० तक ऊंचे टावर का सवर्धन ।
2.	अहमदाबाद	गुजरात	क्षेत्रीय सेवा के लिए उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (डी० डी०—2) और भू-केन्द्र ।
3.	सूरत		उ.श.ट्रां.
4.	बड़ौदरा		उ.श.ट्रां.
5.	पालिताना		उ.श.ट्रां.

1	2	3
6.	जूनागढ़	उ०श०ट्रां० और स्टूडियो
7.	राधनपुर	उ०श०ट्रां०
8.	ईदर	अ०श०ट्रां०
9.	मोरबी	अ०श०ट्रां०
10.	दीसा	अ०श०ट्रां०
11.	रजाला	अ०श०ट्रां०
12.	बम्बालिय	अ०श०ट्रां०
13.	अमोद	अ०श०ट्रां०
14.	मंगरौल (जिला-सूरत)	अ०श०ट्रां०
15.	जगदिया	अ०श०ट्रां०
16.	लोनावाड़ा	अ०श०ट्रां०
17.	बोताद	अ०श०ट्रां०
18.	जामजोधपुर	अ०श०ट्रां०
19.	राधनपुर	अ०श०ट्रां०
20.	राजपिपला	अ०श०ट्रां०
21.	व्यारा	अ०श०ट्रां०
22.	धर्मपुर	अ०श०ट्रां०
23.	उमेरगांव	अ०श०ट्रां०
24.	मोदासा	अ०श०ट्रां०
25.	लिम्डी	अ०श०ट्रां०
26.	धन्धुका	अ०श०ट्रां०
27.	धारी	अ०श०ट्रां०
28.	उना	अ०श०ट्रां०
29.	बन्तवा	अ०श०ट्रां०
30.	शामलाजी	अ०श०ट्रां०
31.	नेतरंग	अ०अ०श०ट्रां०
32.	सगवाड़ा	अ०अ०श०ट्रां०
33.	का०नि०सु० राजकोट	
34.	का०नि०सु० जूनागढ़	

35.	देवगढ़-बरिया	अ०श०ट्रां०
36.	दांडी	अ०श०ट्रां०
37.	धरंगधरा	अ०श०ट्रां०
38.	खम्बात	अ०श०ट्रां०
39.	महुवा	अ०श०ट्रां०
40.	मंगरोल (जूनागढ़)	अ०श०ट्रां०
41.	पालिताना	अ०श०ट्रां०
42.	रापड़	अ०श०ट्रां०
43.	संजेली	अ०श०ट्रां०
44.	गांधीनगर (डी०डी० 2)	

संकेत-बी०बी०एस०-विविध भारती सेवा उ०श०ट्रां०-उच्च शक्ति ट्रांसमीटर अ०श०ट्रां०-अल्प शक्ति ट्रांसमीटर अ०अ०श०ट्रां०-अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर का०नि०सु-कार्यक्रम निर्माण सुविधा

use of Hindi language

3428. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleastd to state:

(a) whether his Ministry have chalked out any plan to promote the use of Hindi language in its administration;

(b) if so, the details therefor;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) what are the various schemes formulated and being implemented by the Ministry in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) to (d) An annual programme and various plans/schemes for promoting the use of Hindi are formulated by the Department of Official Language (MHA) which is the nodal department for the purpose. The said programme and plans/schemes are circulated in the Ministry as also its media units for implementation.

With a view to encouraging Officers/employees of the Ministry & its media units to do maximum original work in Hindi an incentive scheme is already in operation. Besides this, Hindi fortnight is celebrated every year with considerable zeal & enthusiasm during which various competitions viz; essay writing|Hindi typing/Hindi shorthand/Hindi noting and drafting are organised to ensure progressive use of Hindi in Official work. During the said fortnight, some films pertaining to official language produced by the Film Division of the Ministry are also shown to the Officers|employees of the Ministry.

To regularly monitor the use of Hindi in Official work, on Official Language Implementation Committee has also been constituted in the Ministry which meets every quarter to review the various reports